विद्युत दर्पण

पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति

गृह पत्रिका

अंक - 23 **जनवरी 2012 - मार्च 2012**

सम्पादकीय

पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति, मुंबई में सदस्य सचिव (प्र.) का पदभार ग्रहण करने के पश्चात कार्यालय की त्रैमासिक हिन्दी गृह पत्रिका 'विद्युत दर्पण' के माध्यम से संबोधित करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है ।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग की ओर से 'ख' क्षेत्र के केन्द्रीय कार्यालयों में वर्ष 2010-11 के दौरान राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन तथा हिन्दी में किए गए श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए पक्षेविसमिति को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया । सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सांघिक प्रयास से यह सफलता प्राप्त हुई है । इस उपलब्धि के लिए अध्यक्ष, केविप्रा, नई दिल्ली ने बधाई संदेश भेजा है । मुझे विश्वास है कि अध्यक्ष महोदय द्वारा की गई सराहना से प्रेरित होकर हम आगे भी इसी प्रकार अपने कार्य में कार्यरत रहेंगे । मैं सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ ।

कार्य का स्वरूप चाहे जो भी हो, हम जब अपना कार्य कर्तव्यनिष्ठा से करते हैं, उसमें रुचि लेते हैं, निपुणता से एवं जिम्मेदारी से पूर्ण करते हैं, तो हमें कर्तव्यपूर्ति का अतुल्य आनन्द मिलता है । यह भी एक सर्वोत्तम पुरस्कार है ।

सु.द. टाकसांडे

सु.द. टाकसांडे
सदस्य सचिव (प्र.)

अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली का बधाई संदेश

ए.एस. बक्शी

दूरभाष (का०) Telephone (O) : 011-26102583
टेलीफैक्स Telefax : 011-26109212
ई-मेल E-mail : chair@nic.in
अध्यक्ष
तथा पदेन सचिव भारत सरकार
केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण
रामकृष्ण पुरम्
CHAIRPERSON & EX-OFFICIO SECRETARY
TO THE GOVERNMENT OF INDIA
CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY
SEWA BHAWAN, R. K. PURAM

अ0शा0 पत्र सं0 1/1/2012-के0वि0प्रा0

नई दिल्ली–110066 दिनांक 26.03.2012
NEW DELHI-110066

प्रिय श्री टाकसांडे

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि पश्चिम क्षेत्र में स्थित ''ख'' क्षेत्र में आने वाले केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में वर्ष 2010-2011 के दौरान राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन तथा हिन्दी में किए गए श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा आपके कार्यालय को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है एवं इस उपलब्धि में सराहनीय योगदान के लिए सुश्री तरूप्रभा शैल, हिन्दी अधिकारी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए आपको एवं आपके कार्यालय के सभी सहयोगियो को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। आपसे अनुरोध है कि मेरा यह बधाई संदेश अपने कार्यालय के सभी सहयोगियों को भी प्रेषित करें।

शुभ कामनाओं सहित

आपका सदभावी

(ए.एस. बक्शी)

श्री सु.द. टाकसांडे
सदस्य सचिव,
पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति,
एफ-3, एमआयडीसी क्षेत्र,
अंधेरी (पूर्व), मुंबई – 400093

हार्दिक बधाई

श्री मनजीत सिंघ, सदस्य सचिव, पक्षेविसमिति की केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली में सदस्य (थर्मल) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर पक्षेविसमिति परिवार की ओर से आपका हार्दिक अभिनन्दन !

हार्दिक स्वागत

श्री सु.द. टाकसांडे, सदस्य सचिव (प्र.) ने दिनांक 1 मार्च 2012 से पक्षेविसमिति, मुंबई में कार्य-भार ग्रहण किया । पक्षेविसमिति परिवार में आपका हार्दिक स्वागत ।

समाचार दर्पण

हार्दिक अभिनन्दन

❖ श्रीमती अदिति पालकर, की उच्च श्रेणी लिपिक के पद पर दिनांक 29.02.2012 को पदोन्नति पर उनका हार्दिक अभिनन्दन ।

बिदाई

❖ श्री मनजीत सिंघ, सदस्य सचिव, पक्षेविसमिति की केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली में सदस्य (थर्मल) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर पक्षेविसमिति परिवार की ओर से दिनांक 01.03.2012 को भावभीनी बिदाई दी गई ।

❖ श्री एम.आर.सिंह, अधीक्षण अभियंता अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 जनवरी 2012 को सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हुए । पक्षेविसमिति परिवार उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना करता है ।

❖ श्री सुकुमार हानरा, सहायक निदेशक अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 29.02.2012 को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हुए । उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की पक्षेविसमिति परिवार कामना करता है ।

राजभाषा समाचार

❖ 'ख' क्षेत्र में आने वाले केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में वर्ष 2010-11 के दौरान संघ की राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन तथा हिन्दी में किए गए श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए भारत सरकार, राजभाषा विभाग की ओर से इस कार्यालय को 'प्रथम पुरस्कार' प्रदान किया गया । दिनांक 16 मार्च 2012 को औरंगाबाद में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में श्री सु.द.टाकसांडे, सदस्य सचिव (प्र.) द्वारा यह पुरस्कार ग्रहण किया गया एवं श्रीमती तरूप्रभा शैल, हिन्दी अधिकारी को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में उनके द्वारा दिये गए सराहनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।

❖ दिनांक 6 जनवरी 2012 को आयोजित हिन्दी कार्यशाला में 'सिविल कंस्ट्रक्शन एवं मैंटेनेन्स विषय पर श्री सुकुमार हानरा, सहायक निदेशक ने व्याख्यान दिया । कार्यालय के कुल 6 अधिकारी एवं 12 कर्मचारियों ने इस जानकारीयुक्त व्याख्यान का लाभ उठाया ।

❖ राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 97 वीं बैठक दिनांक 31 मार्च 2012 को श्री सु.द. टाकसांडे, सदस्य सचिव (प्र.) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । बैठक में राजभाषा नीति अनुपालन से संबंधित कार्य की समीक्षा की गई ।

भूल करना मनुष्य का स्वभाव है लेकिन भूल को स्वीकार कर लेना और वैसी भूल फिर न करने का प्रयास करना वीर एवं साहसी होने का प्रतीक है ।

-महात्मा गाँधी

बिटिया का प्यार

एक पति पत्नि की हाल ही में शादी हुई और वे अपने खुद के बंगले में रहने लगे । शादी के उपलक्ष्य में बंगले में एक पारिवारिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिस हेतु दोनों के माता पिता भी वहाँ ठहरे हुए थे । नव दम्पति ने अपने कमरे के रूमानी वातावरण में यह निश्चिय किया कि यदि कोई सुबह-सुबह हमारे कमरे का दरवाजा खट-खटाये तो हम दरवाजा नहीं खोलेंगे, चाहे फिर कमरे के बाहर कोई भी हो । हम अपनी मर्जी से अपने समय पर कमरे का दरवाजा खोलेंगे । दूसरे दिन सुबह उन्हें कमरे का दरवाजा खट-खटाने की आवाज सुनाई दी । बाहर से दूल्हे के पिता जी आवाज दे रहे थे । दोनों ने एक दूसरे की ओर देखा और फिर सो गये । कुछ देर बाद फिर से दरवाजा खट-खटाने की आवाज आयी । इस बार दुल्हन के पिताजी आवाज दे रहे थे । दोनों ने एक-दूसरे की ओर देखा । दुल्हन की आँखों में आँसू थे, उसने दुल्हे से करूणा भरे स्वर में कहा, ''खोलते हैं न दरवाजा। बाहर मेरे पिताजी हैं, मैं जिन्दगी भर के लिए उन्हें छोड़कर आपके घर आयी हूँ ।'' दुल्हे ने बात मानी । दुल्हन ने दरवाजा खोला ।

इस बात को बरसों बीत गए । इस दाम्पत्य को दो बच्चे हुए - पहला बेटा और बाद में बेटी । बेटी के नामकरण का कार्यक्रम उसके पिता ने बड़े धूमधाम से किया । मेहमानों में से एक ने पूछा कि आपने बेटे का नामकरण, जन्मदिन भी इतने धूमधाम से नहीं मनाया था, जितना की बेटी का । ऐसा क्यों ? जवाब मिला - यह बेटी ही है जो हमारे लिए दरवाजा खोलेगी ।

(8 मार्च महिला दिवस पर सभी बेटियों को शुभकामनाएँ)

कैसे हुई ओलिम्पिक की शुरूआत ?

खेलों से अनुशासन एवं परस्पर सदभाव जागृत करना और खिलाड़ियों में छिपी प्रतिभा और शक्ति को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से ओलिम्पिक खेलों का आयोजन किया जाता है ।

ईसा से लगभग बारह सौ वर्ष पूर्व यूनान के ओलिम्पिक नामक स्थान पर 'ओलिम्पिक खेल' का आयोजन किया गया । खेल की शुरूवात हरक्यूलिस ने की थी । इसमें दौड़, कूद, कुश्ती, मुक्केबाजी आदि प्रतियोगिता होती थी ।

16 जून 1896 को इंग्लैंड, अमेरिका, रूस, स्वीडन, यूनान आदि देशों के प्रतिनिधियों के समाने फ्रांस के प्रसिद्द शिक्षाशास्त्री बेरन पियेर द कुबर्तिन ने खेलों के विकास के बारे में अपने विचार व्यक्त किए । सभी देशों की मंजूरी के बाद पहला ओलिम्पिक 1896 में एथेंस में आयोजित हुआ । यह खेल हर चार वर्ष में आयोजित किए जाते थे, जिनमें महिलाएँ भाग नहीं लेती थीं ।

सन 2004 में यूनान की राजधानी एथेंस में 28 वें ओलिम्पिक का आयोजन किया गया, जबकि 29 वें ओलिम्पिक का वर्ष 2008 में बीजिंग (चीन) में किया गया । वर्ष 2012 में लंदन में 30 वाँ ओलिम्पिक आयोजित किया गया है ।

संकलक- श्रीमती तरूप्रभा शैल,
हिन्दी अधिकारी

*****_*****